5. Write short notes on any **two** of the following : 8+8=16

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :

jñānayoga, īśvara

ज्ञानयोग, ईश्वर

General Introduction to Srimad Bhagavad Gita.

श्रीमदभगवद्गीता का सामान्य परिचय।

6. Write short notes on any **two** of the following : 9+9=18

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :

ईशावास्योपनिषद्, सृष्टि, विद्या-अविद्या

7. Provide the grammatical introduction of any **four** bold and underlined words from question numbers **2** and **4**. 1×4=4

प्रश्न संख्या **2** एवं **4** में से स्थूल एवं रेखांकित किन्हीं **चार** पदों का व्याकरणात्मक परिचय दें।

***

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **4785** **I**

Unique Paper Code : 2132202302

Name of the Paper : Gita and Upanishad, DSC-A3 & B3(A or B),

Name of the Course : **B.A. (P.) Sanskrit**

Semester : III

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 90***

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Answer may be written either in **Sanskrit**, **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत, **अंग्रेजी** या **हिंदी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

(c) **All** questions are compulsory.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

P.T.O.

1. Explain the significance of Karma Yoga and Bhakti Yoga as Directed in the Shrimad Bhagavad Gita. 12

श्रीमद्भगवद्गीता में वर्णित कर्मयोग एवं भक्तियोग की महत्ता को स्पष्ट करें।

OR

अथवा

Present the essence of the Isha Upanishad.

ईशावास्योपनिषद् का सार प्रस्तुत करें।

2. Explain any **two** of the following : 7+7=14

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या करें :

(a) वेदाविनाशिऽऽनं नित्यं य एनमजमव्ययम्।
कथं स पुरुषः पार्थ कं घातयति हन्ति कम् ।।

(b) वासांसि जीर्णानि यथा विहाय नवानि गृहणाति नरोऽपराणि।
तथा शरीराणि विहाय जीर्णान्यन्यानि संयाति नवानि देही।

(c) जातस्य हि ध्रुवो मृत्युर्ध्रुवं जन्म मृतस्य च।
तस्मादपरिहार्येऽर्थे न त्वं शोचितुमर्हसि।।

(d) नेहाभिक्रमनाशोऽस्ति प्रत्यवायो न विद्यते।
स्वल्पमप्यस्य धर्मस्य त्रायते महतो भयात् ।।

3. According to the Bhagavad Gita, who is referred to as a "Sthitaprajna' ? Explain. 12

श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार ''स्थितप्रज्ञ' किसे कहा गया है ? स्पष्ट करें।

OR

अथवा

Write a general introduction to the Upanishads.

उपनिषदों का सामान्य परिचय लिखें।

4. Explain any **two** of the following : 7+7=14

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या करें :

(a) ईशावास्यमिदं सर्वं यत्किञ्च जगत्यां जगत् ।
तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा मा गृधः कस्य स्विद्धनम् ।।

(b) कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतं समाः।
एवं त्वयि नान्यथेतोऽस्ति न कर्म लिप्यते नरे।।

(c) यस्मिन्सर्वाणि भूतान्यात्मैवाभूद्विजानतः।
तत्र को मोहः कः शोक एकत्वमनुपश्यत :।।

(d) हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम् ।।
तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।।